प्रकाशकीय निवेदन

षट्खंडागम धवला सिद्धान्त ग्रन्थके पंचम खण्डके पन्द्रहवें पुस्तकमें वर्गणाओंका सविस्तर वर्णन किया गया है।

इस ग्रन्थका पूर्व प्रकाशन श्रीमन्त सेठ सिताबराय लक्ष्मीचन्द्र जैन साहित्योद्धारक फंड, विदिशा द्वारा हुआ है। उसका मूल ताडपत्र ग्रन्थसे मिलाकर संशोधित पाठसहित द्वितीयावृत्तिका प्रकाशन अधिकार प्राप्त जीवराज जैन ग्रन्थमाला, सोलापुर द्वारा प्रकाशित करनेमें हम अपना सौभाग्य समझते हैं।

स्व. ब्र. रतनचन्दजी मुख्तार (सहारनपुर) तथा पं. जवाहरलालजी सिद्धान्तशास्त्री (भिंडर) इनके द्वारा भेजे हुए संशोधनका भी इस संशोधनकार्यमें हमें सहयोग मिला, जिसके लिये हम सभी सज्जनोंके अतीव आभारी हैं।

इस ग्रन्थका प्रूफ संशोधन कार्य जीवराज जैन ग्रन्थमालाके संपादक श्री. पं. नरेन्द्रकुमार भिसीकर शास्त्री तथा श्री. धन्यकुमार जैनी द्वारा सम्पन्न हुआ है तथा मुद्रणकार्य कल्याण प्रेस, सोलापुर इनके द्वारा सम्पन्न हुआ है। हम इनके भी आभारी हैं।

धर्मानुरागी श्रीमान डॉ. अप्पासाहेब कलगोंडा पाटील तथा उनकी धर्मपत्नी डॉ. सौ त्रिशलादेवी नाडगौडा पाटील इन महानुभावोंने षट्खंडागम धवला पुस्तक १० से १६ तकके पुनर्मुद्रणके लिये आर्थिक सहयोग देकर जिनवाणीकी सेवाका महान आदर्श उपस्थित किया। इसलिये उनका हार्दिक अभिनन्दन करते हुए हम उनके सहयोगके लिये अनेकशः धन्यवाद प्रकट करते हैं।

रतनचंद सखाराम शहा

मंत्री